गूगल का बार्ड: AI जनरेटवि चैटबॉट

प्रलिमि्स के लयि:

LaMDA, ChatGPT, जनरेटवि आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस।

मेन्स के लयि:

गूगल का बार्ड: AI जनरेटवि चैटबॉट, ChatGPT

चर्चा में क्यों?

माइक्रोसॉफ्ट के [ChatGPT]() के जवाब में Google जल्द ही अपने नए **AI चैटबॉट बार्ड** का अनावरण करेगा।

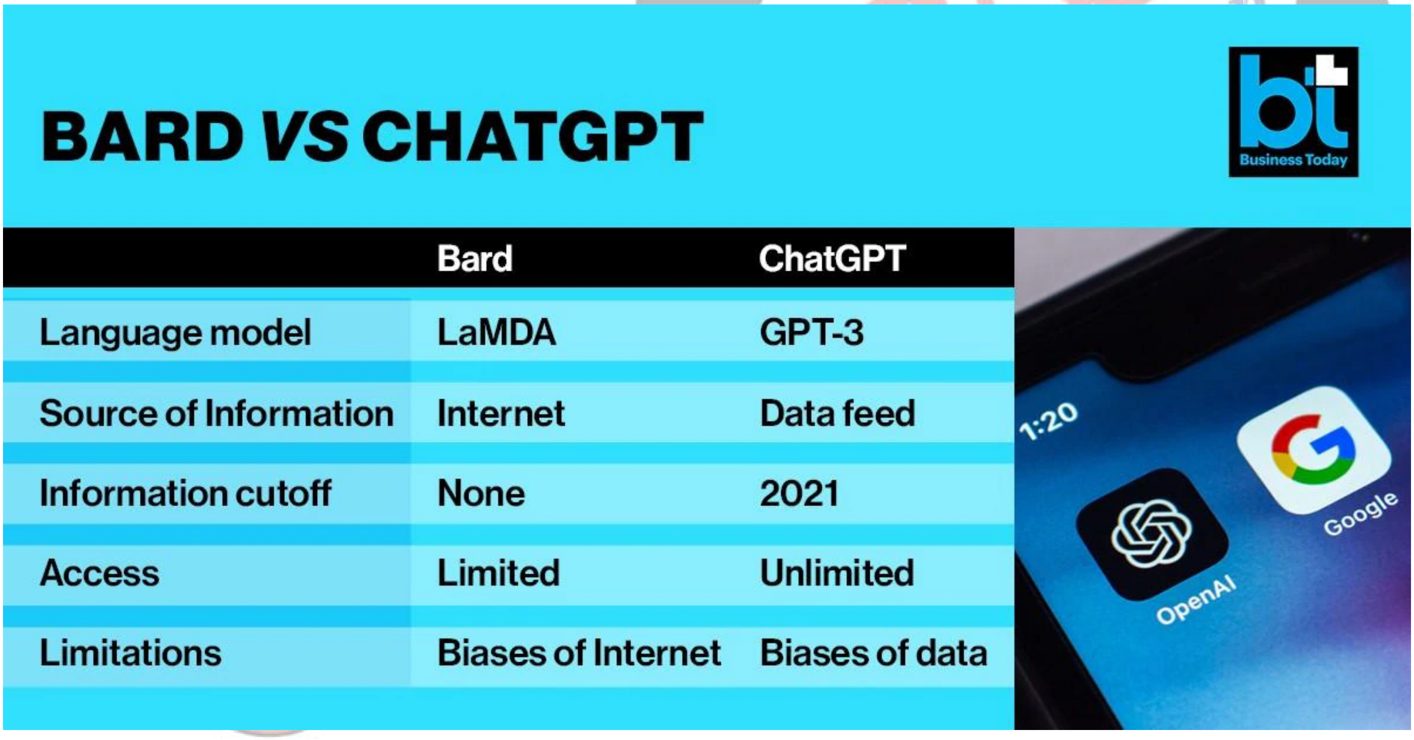

	Bard	ChatGPT
Language model	LaMDA	GPT-3
Source of Information	Internet	Data feed
Information cutoff	None	2021
Access	Limited	Unlimited
Limitations	Biases of Internet	Biases of data

[//]()

बार्ड:

- **परचिय:**
  - बार्ड भाषा [मॉडल फॉर डायलॉग एप्लीकेशन (LaMDA)]() पर आधारति है, जो गूगल का अपना संवादात्मक AI चैटबॉट है।
  - यह अत्यंत सटीकता के साथ संवादात्मक और नबिंध-शैली में उत्तर देगा जैसे ChatGPT अभी करता है।
  - हालाँकि, मॉडल वर्तमान में LaMDA का "हल्का" संस्करण है और इसे "काफी कम कंप्यूटगि शक्ति की आवश्यकता होती है, जसिसे इसे **अधकि उपयोगकर्त्ताओं** तक पहुँच स्थापति करने हेतु सक्षम बनाया जा सके।

- **विशेषता:**
    - यह ट्रांसफॉर्मर तकनीक पर बनाया गया है, जो **ChatGPT और अन्य AI बॉट्स की रीढ़** है।
        - ट्रांसफॉर्मर तकनीक को Google द्वारा अग्रणी बनाया गया था और वर्ष 2017 में इसे सभी के लिये ओपन सोर्स के रूप में शुरू कर दिया गया था।
    - ट्रांसफार्मर प्रौद्योगिकी एक **न्यूरल नेटवर्क आर्कटिेक्चर(Neural Network Architecture)** है, **जो इनपुट के आधार पर भविष्यवाणियाँ करने में सक्षम है** और मुख्य रूप से प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण तथा कंप्यूटर प्रौद्योगिकी में इसका उपयोग किया जाता है।
        - आर्कटिेक्चर यह निर्धारित करता है कि नेटवर्क कैसे सूचना को संसाधित करता है और किसी विशेष समस्या को हल करने में इसकी सटीकता एवं दक्षता को किस प्रकार प्रभावित करता है। सामान्य आर्कटिेक्चर में फीडफॉर्वर्ड नेटवर्क, आवर्तक नेटवर्क और कन्वेन्शनल न्यूरल नेटवर्क सम्मिलित हैं।

ChatGPT और बार्ड में अंतर:

- ChatGPT ने सटीकता की अलग-अलग डिग्री के साथ जटिल प्रश्नों का जवाब देने की अपनी क्षमता से प्रभावित किया है, लेकिन इसकी **सबसे बड़ी कमी शायद यह है कि यह इंटरनेट से वास्तविक समय की जानकारी तक नहीं पहुँच सकता है।**
    - लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने **हाल ही में Bing के एक नए संस्करण का अनावरण किया** जो ChatGPT द्वारा संचालित है, साथ ही ChatGPT के संस्करण में एक महत्त्वपूर्ण सुधार है।
- ChatGPT के भाषा मॉडल को इनपुट के आधार पर पाठ उत्पन्न करने हेतु एक **विशाल डेटासेट पर प्रशिक्षित किया गया था, हालाँकि डेटासेट में केवल वर्ष 2021 तक की जानकारी शामिल है।**
- बार्ड एक प्रतिक्रिया को संश्लेषित करेगा जो प्रश्नों के लिये अलग-अलग राय को दर्शाता है जहाँ स्पष्ट उत्तर नहीं हो सकता है।
    - **उदाहरण के लिये** प्रश्न- "क्या पियानो या गिटार सीखना आसान है?" इसके जवाब में "कुछ कहते हैं कि पियानो सीखना आसान है, क्योंकि उंगली और हाथ की गति अधिक स्वाभाविक है। दूसरों का कहना है कि गिटार पर कॉर्ड सीखना आसान है।"

AI-आधारित जनरेटिव चैटबॉट्स की चिंताएँ:

- विशेषज्ञों ने बताया है कि Google और OpenAI से टेक्स्ट जनरेशन सॉफ्टवेयर आकर्षक और वाकपटु होने के साथ-साथ अशुद्धियों से ग्रस्त हो सकता है।
- यह अभद्र भाषा और नस्लीय एवं लैंगिक पक्षपात तथा रूढ़िवादिता जैसी सामग्री सहित वास्तविक समय में इंटरनेट पर खोज करने की क्षमता, समस्याओं का कारण बन सकती है, साथ ही इन नए उत्पादों के महत्त्व को कम कर सकती है।
- प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण के साथ भी **वे ग्राहक के इनपुट को पूरी तरह समझ नहीं सकते हैं और असंगत उत्तर प्रदान कर सकते हैं।**
- कई चैटबॉट भी प्रश्नों के दायरे में सीमित होते हैं जिनका वे जवाब देने में सक्षम होते हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न 1. विकास की वर्तमान स्थिति में कृत्रिम बुद्धिमता निम्नलिखित में से किस कार्य को प्रभावी रूप से कर सकती है? (2020)

1. औद्योगिक इकाइयों में विद्युत की खपत कम करना
2. सार्थक लघु कहानियों और गीतों की रचना
3. रोगों का निदान
4. टेक्स्ट-से-स्पीच में परिवर्तन
5. विद्युत ऊर्जा का बेतार संचरण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2, 3 और 5
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/google-s-bard-ai-generative-chatbot